

## VI. मूल्य स्थिति

2009-10 में, विशेष रूप से हाल के महीनों में, अनेक मदों द्वारा नकारात्मक या शून्य मुद्रास्फीति दर्शाने के बावजूद बढ़ती समग्र डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति के रूप में लगातार ऊंची मुद्रास्फीति प्रदर्शित हुई। स्फीतिकारी गति इस बात से स्पष्ट हो जाती है कि डब्ल्यूपीआइ मार्च 2009 कर स्तर से दिसंबर 2009 में 8.0 प्रतिशत बढ़ा। उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति दो अंकों में लगातार ऊंची बनी हुई है जो मूल्य दबाव की मौजूदगी दर्शाती है। अपेक्षा माध्यम से स्फीतिकारी चक्र बनाते ऊंचे खाद्य मूल्यों का जोखिम, जिससे किसी स्तर पर सामान्यकृत मुद्रास्फीति होती है, मौद्रिक नीति संचालन के लिए प्रमुख चिंता बना हुआ है।

VI.1 2009-10 में वर्ष-दर-वर्ष डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति काफी अस्थिर रही है और हाल के महीनों में मुद्रास्फीति बढ़ी है जो खाद्य और ईंधन मूल्यों में वृद्धि और आधार प्रभाव का कम होना दर्शाती है। डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति जून-अगस्त 2009 में नकारात्मक थी और सितंबर में सकारात्मक हो गई और बाद में तेजी से बढ़कर दिसंबर 2009 में 7.3 प्रतिशत हो गई। उभरते स्फीतिकारी दबाव इस बात से भी देखे जा सकते हैं कि डब्ल्यूपीआइ मार्च 2009 की तुलना में चालू वित्तीय वर्ष में (दिसंबर 2009 तक) 8.0 प्रतिशत बढ़ा और सीपीआइ मुद्रास्फीति नवंबर/दिसंबर 2009 में 13.5-17.2 प्रतिशत के दायरे में ऊंची बनी रही। हालांकि खाद्य मदों अंतरराष्ट्रीय तेल मूल्यों में वृद्धि के आंशिक पास-थ्रू की अगुवाई में सीमित संख्या में पण्यों में आपूर्ति पक्षीय दबावों ने स्फीतिकारी की गति को अब तक नियंत्रित रखा है, खाद्य मुद्रास्फीति से स्फीतिकारी

अपेक्षाएं प्रेरित होकर सामान्यिकृत मुद्रास्फीति होना अभी भी संभाव्य जोखिम बनी हुई है।

### वैश्विक मुद्रास्फीति

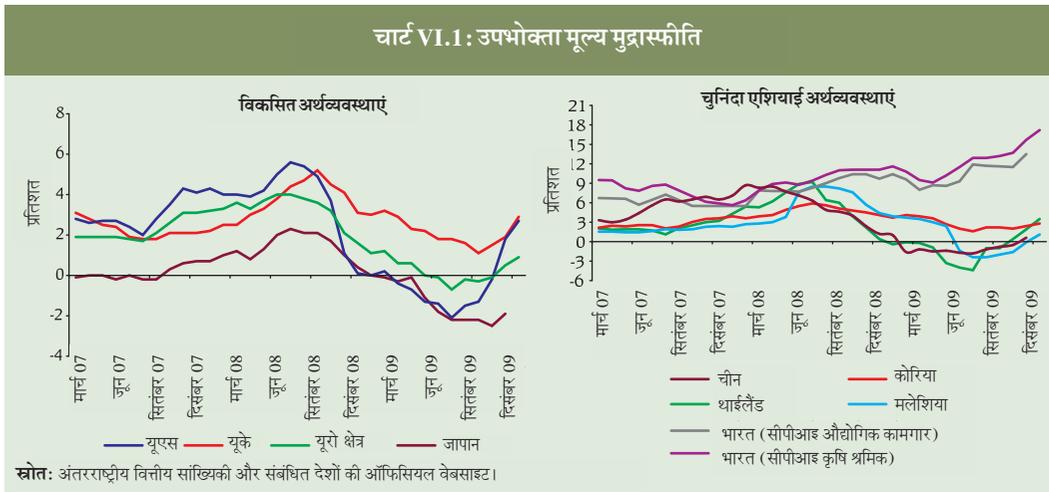
VI.2 वैश्विक मुद्रास्फीति, जो 2009-10 की पहली दो तिमाहियों में काफी कम हो गई थी, तीसरी तिमाही में भी कम बनी रही, हालांकि बढ़ते अंतरराष्ट्रीय पण्य मूल्यों और वैश्विक आर्थिक सुधार के मजबूत संकेतों के कारण अधिकतर प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रास्फीति सकारात्मक हो गई। अंतरराष्ट्रीय पण्य मूल्यों ने दिसंबर 2008 में दर्ज निम्न स्तरों से बनी तेजी की निरंतरता के साथ तीसरी तिमाही में और वृद्धि दर्ज की। किंतु, सुधार संबंधी अनिश्चितता और काफी अप्रयुक्त क्षमता की उपस्थिति से अल्पावधि संदर्भ में वैश्विक स्फीतिकारी दबावों में किसी भी महत्वपूर्ण वृद्धि की जोखिम को सीमित कर दिया। इसलिए केंद्रीय बैंकों ने, सामान्य रूप में, आर्थिक वृद्धि को तेज करने के लिए अपना निभावी मौद्रिक नीति रुझान जारी रखा। किंतु, आस्ट्रेलिया और इजरायल जैसे देशों में संभाव्य स्फीतिकारी दबावों के कारण निभावी रुझान को क्रमिक रूप से रोक दिया।

VI.3 2009-10 की पहली दो तिमाहियों में, प्रमुख उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में हेडलाइन मुद्रास्फीति नकारात्मक बनी रही जिसका कारण मांग में काफी कमी आ जाना था। 2008-09 की दूसरी छमाही में वैश्विक पण्य मूल्यों (ईंधन, धातु और खाद्य) में तेज गिरावट ने मुद्रास्फीति पर और अधोमुखी दबाव लाकर उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में उपभोक्ता मूल्यों को प्रभावित किया। सितंबर 2009 से, अधिकतर उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में सीपीआइ मुद्रास्फीति ने वृद्धि दर्ज की थी फिर भी वह काफी कम बनी रही। अधिकतर उन्नत अर्थव्यवस्थाओं, जापान को छोड़कर, ने दिसंबर 2009 में सकारात्मक सीपीआइ मुद्रास्फीति दर्ज की (सारणी

6.1)। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में हाल में हुई मुद्रास्फीति वृद्धि का कारण एक वर्ष पूर्व उपभोक्ता मूल्यों में दर्ज हुई तेज गिरावट का आधार प्रभाव और पण्य मूल्यों में हाल में हुई वृद्धि है। ओईसीडी देशों में वर्ष-दर-वर्ष उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति, जुलाई 2008 के 4.9 प्रतिशत के अपने शीर्ष से कम होकर (-) 0.6 प्रतिशत रह गई थी, नवंबर 2009 में बढ़कर 1.3 प्रतिशत हो गई। प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच, अमरीका और यूरो क्षेत्र में हेडलाइन मुद्रास्फीति, जो मार्च 2009 से नकारात्मक हो गई थी, उलट कर सकारात्मक हो गई (चार्ट VI.1)। यूके में भी सीपीआइ मुद्रास्फीति सितंबर 2009 के 1.1 प्रतिशत से बढ़कर 2.9 प्रतिशत हो गई। कोर मुद्रास्फीति भी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में बढ़नी शुरू हो गई। ओईसीडी देशों में, खाद्य और ऊर्जा छोड़कर, उपभोक्ता मूल्य नवंबर 2009 में 1.5 प्रतिशत बढ़े। उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआइ) मुद्रास्फीति उन्नत और उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं (ईएमई) दोनों में तेजी से कम हो गई। ओईसीडी देशों में पीपीआइ मुद्रास्फीति लगातार नकारात्मक बनी रही (नवंबर 2009 में -1.0 प्रतिशत)।

VI.4 2009 की पहली छमाही में अमरीका, जापान और यूरो क्षेत्र में नकारात्मक मुद्रास्फीति से उत्पन्न संभाव्य अपस्फीतिकारी चक्र के प्रति चिंताएं प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सीपीआइ मुद्रास्फीति बढ़ने से समाप्त हो गई। दूसरी ओर, मुद्रास्फीति जोखिम उभरती अर्थव्यवस्थाओं में अधिक हो सकती हैं जहां उत्पादन अंतर कम है और सुधार मजबूत हो सकता है। आइएमएफ (अक्टूबर 2009) अनुमान के अनुसार उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रास्फीति 2009 में शून्य के करीब होगी जिसमें बाद के वर्षों में 1 प्रतिशत तक की कुछ वृद्धि हो सकती है; उभरती अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रास्फीति 2010 में 5 प्रतिशत के आसपास बनी रहने

चार्ट VI.1: उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति



की संभावना है। उभरती अर्थव्यवस्थाओं (भारत और रूस को छोड़कर) में स्फीतिकारी दबाव 2009-10 में अब तक कम बने हुए हैं (सारणी 6.1)।

VI.5 उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में अधिकतर केंद्रीय बैंकों ने अपनी नीतिगत दरें शून्य स्तर के आसपास अपरिवर्तित रखीं ताकि मंदी या वृद्धि में भारी कमी से उनकी अर्थव्यवस्थाओं को उबरने में आसानी रहे। अमरीका और जापान जैसी उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में नीतिगत दरें, जो 2008 में शून्य स्तर के आसपास पहुंच गई थीं, 2009 में अपरिवर्तित रखी गईं। यूके, यूरो क्षेत्र और कनाडा जैसी अन्य उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में केंद्रीय बैंकों ने मार्च-मई 2009 के बीच नीतिगत दरों में कटौती की थी जिसमें बाद में कोई परिवर्तन नहीं किया गया। स्फीतिकारी दबाव उभरने शुरू होने से, रिजर्व बैंक ऑफ आस्ट्रेलिया ने आर्थिक सुधार के चिह्नों और विश्वास की नाप में हुए सुधार के आधार पर 2009-10 में अपनी नीतिगत दरों में 50 आधार अंकों की वृद्धि की (सारणी 6.1)। बैंक ऑफ इजरायल ने सितंबर 2009 से नीतिगत दरों में कुल 75 आधार अंकों की वृद्धि की। अन्य प्रमुख केंद्रीय बैंकों के बीच, पिपल्स बैंक ऑफ

चाइना ने 18 जनवरी 2010 से आरक्षित निधि अपेक्षा में 50 आधार अंकों की वृद्धि की जबकि बैंक ऑफ रशिया ने 2009-10 की तीसरी तिमाही में कुल 125 आधार अंकों की कमी की।

### वैश्विक पण्य मूल्य

VI.6 अंतरराष्ट्रीय पण्य मूल्य 2009-10 में अब तक क्रमिक रूप से बढ़े हैं (मार्च 2009 के स्तरों की तुलना में) जो कच्चे तेल और खाद्य मूल्यों में वृद्धि से प्रेरित थे (सारणी 6.2)। वर्ष-दर-वर्ष आधार पर, अधिकांश पण्य मूल्य, जिन्होंने 2009-10 की पहली छमाही में काफी नकारात्मक मुद्रास्फीति दर्शाई थी, नवंबर 2009 से सकारात्मक हो गए जो आंशिक रूप से गत वर्ष मूल्यों में हुई गिरावट का आधार प्रभाव और चालू वर्ष में पण्य मूल्य दबाव का निर्माण दर्शाते हैं (चार्ट VI.2)। प्रमुख उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में मंदी से आर्थिक रूप से सुधार और उभरती अर्थव्यवस्थाओं में सुधरी वृद्धि संभावना के साथ ही प्रमुख कृषि उत्पादों में कमजोर आपूर्ति संभावना अंतरराष्ट्रीय पण्य मूल्यों में हाल में हुई वृद्धि के प्रमुख प्रेरक रहे हैं।

मौद्रिक नीति वक्तव्य  
2009-10

समष्टि आर्थिक और  
मौद्रिक गतिविधियां  
तीसरी तिमाही की समीक्षा  
2009-10

सारणी 6.1 : वैश्विक मुद्रास्फीति संकेतक

(प्रतिशत)						
देश/क्षेत्र	प्रमुख नीति दर	नीति दर (25 जनवरी 2010 को)	नीति दर में परिवर्तन (आधार अंक)		सीपीआइ मुद्रास्फीति (वर्ष-दर-वर्ष)	
			सितं. 08 - मार्च 09	मार्च 09- के अंत से	दिसं 2008	दिसं 2009
1	2	3	4	5	6	7
<b>विकसित अर्थव्यवस्थाएँ</b>						
आस्ट्रेलिया	नकदी दर	3.75 (दिसंबर, 2, 2009)	(-) 400	50	5.0 ^	1.3 ^
कनाडा	ओवरनाइट दर	0.25 (अप्रैल 21, 2009)	(-) 250	(-) 25	1.2	1.3
यूरो क्षेत्र	प्रमुखपुनर्वित्त परिचालनों पर ब्याज दर	1.00 (मई 13, 2009)	(-) 275	(-) 50	1.6	0.9
जापान	असंपार्श्वीकृत ओवरनाइट मांग दर	0.10 (दिसंबर 19, 2008)	(-) 40	0	1.0 *	-1.9*
यूके	आधिकारिक बैंक दर	0.50 (मार्च 5, 2009)	(-) 450	0	3.1	2.9
यूएस	फेडरल फंड दर	0.00 to 0.25 (दिसंबर 16, 2008)	(-) 200	0	0.1	2.7
<b>विकासशील अर्थव्यवस्थाएँ</b>						
ब्राजील	सेलिक दर	8.75 (जुलाई 22, 2009)	(-) 250	(-) 250	5.9	4.3
भारत	रिवर्स रेपो दर	3.25 (अप्रैल 21, 2009)	(-) 250	(-) 25	10.4 *	13.5*
	रेपो दर	4.75 (अप्रैल 21, 2009)	(-) 400	(-) 25	(0)	(0)
चीन	बैंचमार्क 1 वर्षीय उधार दर	5.31 (दिसंबर 23, 2008)	(-) 216	0	1.2	1.9
इंडोनेशिया	बीआइ दर	6.50 (अगस्त 5, 2009)	(-) 150	(-) 125	11.1	2.7
इजराइल	प्रमुख दर (की रेट)	1.25 (जनवरी 1, 2010)	(-) 350	50	3.8	3.9
कोरिया	आधार दर	2.00 (फरवरी 12, 2009)	(-) 325	0	4.1	2.8
फिलीपीन्स	रिवर्स रेपो दर	4.00 (जुलाई 9, 2009)	(-) 125	(-) 75	8.0	4.4
रूस	पुनर्वित्त दर	8.75 (दिसंबर 28, 2009)	100	(-) 425	13.3	8.8
दक्षिण अफ्रीका	रेपो दर	7.00 (अगस्त 14, 2009)	(-) 200	(-) 250	11.8 *	5.8*
थाईलैंड	1-दिवसीय पुनर्खरीद दर	1.25 (अप्रैल 8, 2009)	(-) 225	(-) 25	0.4	3.5
^ : ति3 * : नवंबर.						
<b>टिप्पणी :</b> 1. भारत के मुद्रास्फीति के आँकड़े औद्योगिक कामगारों के सीपीआइ के हैं ।						
2. स्तंभ (3) के कोष्ठकों के आँकड़े वे तारीखें हैं, जब पिछली बार नीति दरों में संशोधन किया गया था ।						
3. स्तंभ 4 के कोष्ठकों के आँकड़े अवधि के दौरान आरक्षित नकदी निधि अनुपात में घट-बढ़ दर्शाते हैं ।						
<b>स्रोत :</b> अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, संबंधित केंद्रीय बैंकों की वेबसाइटें ।						

VI.7 अपेक्षित वैश्विक आर्थिक सुधार और मूल्यों को सहायता देने के लिए पेट्रोलियम तथा निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) द्वारा उत्पादन कटौती के अनुक्रिया में अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल के मूल्य मार्च 2009 से क्रमिक रूप से बढ़ गए। कच्चे तेल के मूल्य दिसंबर 2009 में (वर्ष-दर-वर्ष) लगभग 81 प्रतिशत बढ़े। जहां कच्चे तेल के मूल्य सितंबर और दिसंबर 2009 में कुछ कम हो गए, वहीं चीन में आर्थिक वृद्धि की निरंतरता और

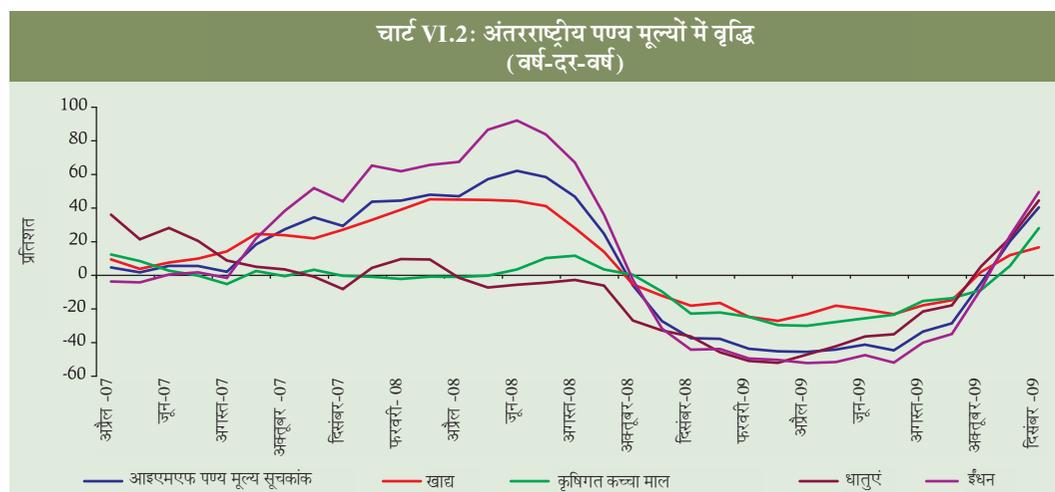
अन्य एशियाई देशों में सुधार के चिह्नों के चलते वैश्विक तेल उपभोग में सुधार की आशा के कारण जनवरी 2010 में अस्थिर बने रहे। हाल के महीनों में कभी-कभार आई तेजी के बावजूद, कच्चे तेल के मूल्य सामान्यतः 70 अमरीकी डॉलर और 80 अमरीकी डॉलर प्रति बैरल के दायरे में बने रहे। अमरीकी ऊर्जा सूचना संगठन (ईआइए) के अनुसार, मौजूदा उच्च तेल इवेंटरी और ओपेक तथा ओपेक से भिन्न सदस्यों द्वारा बढ़ी हुई आपूर्ति

सारणी 6.2 : अंतरराष्ट्रीय पण्य मूल्य														
पण्य	इकाई	बाजार मूल्य (2004)	सूचकांक (2004=100)										घट-बढ़ (प्रतिशत)	
			2005	2006	2007	2008	2009					दिसं.08 की तुलना में दिसं.09	मार्च 09 की तुलना में दिसं.09	
							मार्च	जून	सितं	अक्टू.	नवं.			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
<b>ऊर्जा</b>														
कोयला	\$/एमटी	53	90	93	124	240	115	135	128	134	149	155	4.3	34.4
कच्चा तेल (औसत)	\$/बीबीएल	38	142	170	188	257	124	183	181	196	206	198	81.1	60.5
<b>ईंधनतर पण्य</b>														
पाम तेल	\$/एमटी	471	90	101	165	201	127	154	143	144	154	168	57.3	32.3
	\$/एमटी	616	88	97	143	204	118	145	137	146	151	151	26.4	28.3
सोयाबीन	\$/एमटी	307	90	88	125	171	124	164	140	139	144	147	25.3	19.0
चावल	\$/एमटी	238	120	128	137	274	247	242	218	207	228	249	11.1	0.5
गेहूँ	\$/एमटी	157	97	122	163	208	147	164	122	127	134	131	-6.3	-10.7
मक्का	\$/एमटी	112	88	109	146	200	147	161	135	150	153	147	4.0	0.0
चीनी	सी/कि.ग्रा.	16	138	206	141	178	187	229	322	316	311	322	96.1	72.0
कपास ए इंडेक्स	सी/कि.ग्रा.	137	89	93	102	115	83	99	103	108	115	124	38.3	48.9
अलमुनियम	\$/एमटी	1716	111	150	154	150	78	92	107	109	114	127	46.3	63.2
ताँबा	\$/एमटी	2866	128	235	248	243	131	175	216	219	233	244	127.3	86.2
सोना	सी/टीओजेड	409	109	148	170	213	226	231	244	255	275	277	39.1	22.8
चाँदी	सी/टीओजेड	669	110	173	200	224	196	219	246	258	267	264	71.0	34.5
स्टील कोलड रोलड कॉइल शीट	\$/एमटी	607	121	114	107	159	148	115	115	115	115	115	-36.4	-22.2
स्टील हॉट रोलड कॉइल शीट	\$/एमटी	503	126	119	109	176	159	119	119	119	119	119	-40.0	-25.0
टिन	सी/कि.ग्रा.	851	87	103	171	217	125	176	175	176	175	183	38.3	45.7
जस्ता	सी/कि.ग्रा.	105	132	313	309	179	116	149	180	198	209	227	115.9	95.3

\$. : अमरीकी डालर    सी : अमरीकी सेंट    बीबीएल : बैरल    एमटी : मेट्रिक टन    कि.ग्रा. : किलोग्राम    टीओजेड : ट्राय ओज

स्रोत : विश्व बैंक के वास्तविक पण्य मूल्य आँकड़ों पर आधारित । संबंधित अवधि के दौरान मूल्य प्रवृत्ति को दर्शाने के लिए वर्ष 2004 को आधार वर्ष के रूप में लिया गया है ।

की अपेक्षा से तेल मूल्यों में निरंतर वृद्धि पर रोक लग सकती है। ईआईएफ का पूर्वानुमान है कि वेस्ट टेक्सास इंटरमिडिएट (डब्ल्यूटीआई) कच्चे तेल के हाजिर मूल्य का औसत 2010 और 2011 में क्रमशः लगभग 80



और 84 अमरीकी डॉलर प्रति बैरल होगा। ओपेक द्वारा घोषित कटौतियों का अनुपालन कमजोर हो जाने और वैश्विक तेल इंटेंटी और अतिरिक्त उत्पादन क्षमता ऐतिहासिक मानकों के अनुसार अत्यधिक ऊंची बनी रहने के बावजूद वैश्विक अर्थव्यवस्था में निरंतर सुधार की अपेक्षा ने तेल बाजारों को लगातार सुगम बनाया है।

VI.8 धातु मूल्य भी अप्रैल 2009 से तेज हो गए जिनमें तांबा, सीसा, जस्ता और निकेल आगे थे। वैश्विक आर्थिक संभावना में सुधार से चक्रीय संवेदनशील आधार धातुओं के मूल्य प्रभावित हुए। मूल्यों में वृद्धि मजबूत आयात मांग और चीन में रिस्टॉकिंग तथा उत्पादन में महत्वपूर्ण कटौती के कारण हुई थी। मूल्यों में दीर्घकालिक गिरावट की अनुक्रिया में आपूर्ति कटबॉक्स से अल्युमिनियम, टिन और जस्ते जैसी कुछ धातुओं के मूल्य प्रभावित हुए।

VI.9 आपूर्ति में सुधार, विशेष रूप से खाद्यान्न और तिलहनों में, और वित्तीय बाजारों के सहभागियों द्वारा पण्य निवेश खुला करने से अंतरराष्ट्रीय खाद्य मूल्यों पर दबाव कम हो गया और खाद्य मूल्य जून 2008 और फरवरी 2009 में काफी कम हो गए। तब से, अंतरराष्ट्रीय खाद्य मूल्य क्रमिक रूप से (जुलाई 2009 छोड़कर) बढ़ रहे हैं। एफएओ खाद्य मूल्य सूचकांक, अनाज, तिलहन, दुग्ध उत्पाद, मांस और चीनी के खाद्य समूह के अंतरराष्ट्रीय मूल्यों में मासिक परिवर्तन की नाप, अगस्त 2009 से काफी बढ़ रही है जिसमें इसके सभी घटक आगे थे। दिसंबर 2009 में, एफएओ खाद्य मूल्य सूचकांक का औसत 172 अंक था जो फरवरी 2009 के स्तर से 24 प्रतिशत अधिक था। इस वृद्धि की मुख्य प्रेरक चीनी थी क्योंकि दो मुख्य चीनी उत्पादक देशों अर्थात् भारत और ब्राजील में इसका उत्पादन कम हो गया था।

VI.10 कृषि की कच्ची सामग्री में रबर के मूल्यों में बदलाव, जो कच्चे तेल के मूल्यों को प्रभावित करते हैं,

के कारण काफी अस्थिरता आई। प्रतिकूल मौसमी स्थिति से मांग और आपूर्ति हुए भारी प्रभाव से हाल के महीनों में रबर के मूल्यों पर दबाव आ गया। कपास के मूल्यों ने भी पूर्व एशिया के वस्त्र विनिर्माताओं से आई भारी मांग के चलते कुछ मजबूती दर्शाई।

### भारत में मुद्रास्फीति की स्थिति

VI.11 रिजर्व बैंक के 2009-10 के वार्षिक नीति वक्तव्य (एपीएस) की घोषणा उस समय की गई थी जब वैश्विक मांग में काफी कमी आ रही थी और वैश्विक पण्य मूल्य अत्यधिक नीचे चले गए थे। मार्च 2009 के अंत तक डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति का एक प्रतिशत से कम हो जाना और आर्थिक वृद्धि में गिरावट को देखते हुए, एपीएस ने मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करते हुए और स्फीतिकारी अपेक्षाओं को स्थिर रखते हुए आर्थिक वृद्धि में सुधार लाने पर बल दिया। तदनुसार, मौद्रिक प्रोत्साहन के उपाय के रूप में नीतिगत दरों को अप्रैल 2009 में और 25 आधार अंक कम किया गया (सारणी 6.3)। एपीएस के अनुमान के अनुसार, पण्य मूल्यों में विद्यमान वैश्विक प्रवृत्ति और देशी मांग-आपूर्ति संतुलन को ध्यान में रखते हुए, मार्च 2010 के अंत में डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति लगभग 4.0 प्रतिशत रहेगी।

VI.12 मौद्रिक नीति 2009-10 की पहली तिमाही की समीक्षा (एफक्यूआर) (जुलाई 2009) की घोषणा डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति नकारात्मक होने और सीपीआइ और डब्ल्यूपीआइ के मुद्रास्फीति आधार के बीच महत्वपूर्ण विचलन की पृष्ठभूमि में की गई थी। एफक्यूआर में उल्लेख किया गया कि जून 2009 में नकारात्मक डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति संख्या सांख्यिकी आधार प्रभाव के कारण थी और मांग में कमी का संकेत नहीं थी। इसमें यह भी उल्लेख किया गया कि डब्ल्यूपीआइ

सारणी 6.3 : भारत में प्रमुख नीति दरों में परिवर्तन

(प्रतिशत)					
निम्नलिखित से प्रभावी	रिवर्स रेपो दर	रेपो दर	आरक्षित नकदी निधि अनुपात	डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति	सीपीआइ (आइडब्लू) मुद्रास्फीति
1	2	3	4	5	6
अप्रैल 14, 2007	6.00	7.75	6.25 (+0.25)	6.3	6.7
अप्रैल 28, 2007	6.00	7.75	6.50 (+0.25)	6.0	6.7
अगस्त 4, 2007	6.00	7.75	7.00 (+0.50)	4.4	7.3
नवंबर 10, 2007	6.00	7.75	7.50 (+0.50)	3.2	5.5
अप्रैल 26, 2008	6.00	7.75	7.75 (+0.25)	8.3	7.8
मई 10, 2008	6.00	7.75	8.00 (+0.25)	8.6	7.8
मई 24, 2008	6.00	7.75	8.25 (+0.25)	8.9	7.8
जून 12, 2008	6.00	8.00 (+0.25)	8.25	11.7	7.7
जून 25, 2008	6.00	8.50 (+0.50)	8.25	11.9	7.7
जुलाई 5, 2008	6.00	8.50	8.50 (+0.25)	12.2	8.3
जुलाई 19, 2008	6.00	8.50	8.75 (+0.25)	12.5	8.3
जुलाई 30, 2008	6.00	9.00 (+0.50)	8.75	12.5	8.3
अगस्त 30, 2008	6.00	9.00	9.00 (+0.25)	12.4	9.0
अक्टूबर 11, 2008	6.00	9.00	6.50 (-2.50)	11.3	10.4
अक्टूबर 20, 2008	6.00	8.00 (-1.00)	6.50	10.8	10.4
अक्टूबर 25, 2008	6.00	8.00	6.00 (-0.50)	10.7	10.4
नवंबर 3, 2008	6.00	7.50 (-0.50)	6.00	8.7	10.4
नवंबर 8, 2008	6.00	7.50	5.50 (-0.50)	8.7	10.4
दिसंबर 8, 2008	5.00 (-1.00)	6.50 (-1.00)	5.50	6.6	9.7
जनवरी 5, 2009	4.00 (-1.00)	5.50 (-1.00)	5.50	5.3	10.4
जनवरी 17, 2009	4.00	5.50	5.00 (-0.50)	4.9	10.4
मार्च 4, 2009	3.50 (-0.50)	5.00 (-0.50)	5.00	0.9	8.0
अप्रैल 21, 2009	3.25 (-0.25)	4.75 (-0.25)	5.00	1.6	8.7

**टिप्पणी :** 1. रिवर्स रेपो चलनिधि अवशोषण को और रेपो चलनिधि अंतर्वेशन को दर्शाते हैं।  
2. कोष्ठकों के आंकड़े नीति दरों में परिवर्तन दर्शाते हैं।

में तेज गिरावट से स्फीतिकारी अपेक्षाओं में समरूप गिरावट नहीं आई थी। एफक्यूआर में यह भी उल्लेख किया गया कि रिजर्व बैंक के सामने तात्कालिक चुनौती प्रचुर चलनिधि उपलब्ध कराने के अल्पकालिक दायित्वों और भविष्य में स्फीतिकारी दबावों की संभाव्य निर्मिती के बीच संतुलन रखने की है। अतः, एफक्यूआर में डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति अनुमान को संशोधित करके इसे बढ़ाकर 5.0 प्रतिशत किया गया।

VI.13 मौद्रिक नीति 2009-10 की दूसरी तिमाही की समीक्षा (एसक्यूआर) (अक्टूबर 2009) में उल्लेख किया

गया कि एफक्यूआर में अनुमानित कम वर्षा की ऊर्ध्वमुखी जोखिम सत्य सिद्ध होने से प्राथमिक खाद्य मदों और विनिर्मित खाद्य उत्पादों में मूल्य दबाव बढ़ गया। 2009-10 में स्फीतिकारी दबाव अप्रैल-अक्टूबर 2008 के दबावों से काफी अलग थे। मुद्रास्फीति के दोनों एपिसोड आपूर्ति पक्षीय दबावों से प्रेरित होने के बावजूद, 2008 में मुद्रास्फीति मुख्यतः आधार धातुओं और खनीज तेलों के मूल्यों में तेज वृद्धि से प्रेरित थी। किंतु, चालू एपिसोड में, मूल्य दबाव देशी स्रोतों से हैं और खाद्य मदों और खाद्य उत्पादों में संकेंद्रित हैं। एसक्यूआर में यह भी उल्लेख किया गया था कि सीपीआइ और डब्ल्यूपीआइ आधारित मुद्रास्फीति

के बीच बढ़ते अंतर के सदर्थ में, नीति के संचालन के लिए मूल्य प्रवृत्ति पर उपलब्ध सभी सूचनाओं को उपयोग में लाने की आवश्यकता है। पण्य मूल्यों में वैश्विक प्रवृत्ति और देशी मांग-आपूर्ति संतुलन को ध्यान में रखते हुए, मार्च 2010 के अंत में डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति का बेसलाइन अनुमान संशोधित करके ऊर्ध्वमुखी प्रवृत्ति के साथ बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत किया गया। एसक्यूआर के निर्गम से, स्फीतिकारी दबाव और बढ़ गए जो सीपीआइ और डब्ल्यूपीआइ आधारित मुद्रास्फीति में वृद्धि में देखे गए।

#### थोक मूल्य मुद्रास्फीति

VI.14 2008-09 में काफी अस्थिरता दर्शाने के बाद, 2009-10 में भारत में डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति अप्रैल-मई 2009 में कम बनी रही और बाद में जून 2008 में पेट्रोलियम उत्पादों के नियंत्रित मूल्यों में काफी वृद्धि होने के मजबूत आधार के प्रभाव के कारण जून-अगस्त 2009 में नकारात्मक हो गई। 2008-09 की पहली छमाही में तेज वृद्धि के आधार प्रभाव कम हो जाने और देशी आपूर्ति में कमी तथा अंतरराष्ट्रीय पण्य मूल्यों में वृद्धि की शुरुआत से डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति काफी बढ़कर दिसंबर 2009 में 7.3 प्रतिशत पर पहुंच गई।

VI.15 चालू वित्तीय वर्ष में अब तक, डब्ल्यूपीआइ मार्च 2009 के स्तर की तुलना में दिसंबर में पहले ही 8.0 प्रतिशत बढ़ गई है। पेट्रोल और डीजेल के मूल्यों में ऊर्ध्वमुखी संशोधन (2 जून 2009 से लागू), अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल के मूल्यों में हुई वृद्धि के अनुरूप ईंधन समूह के तहत मुक्त रूप से मूल्यित मूल्यों में वृद्धि और चीनी, सब्जियां तथा ड्रग और औषधि के ऊंचे मूल्य चालू मुद्रास्फीति के प्रेरक थे। अधिकांश खाद्येतर पण्यों के मूल्य अंतरराष्ट्रीय मूल्यों के अनुरूप रहे। किंतु, देशी खाद्य मूल्य अंतरराष्ट्रीय खाद्य मूल्यों

के विपरीत थे जिसमें चीनी अकेली अपवाद थी (सारणी 6.4)। किंतु, देशी आपूर्ति बाधाओं से निपटने के लिए भारतीय आयातों से मूल्य दबाव अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अंतरित होने की जोखिम है, विशेष रूप से चीनी जैसी खाद्य मद में जहां भारत न केवल मुख्य उत्पादक है बल्कि विशालतम उपभोक्ता भी है।

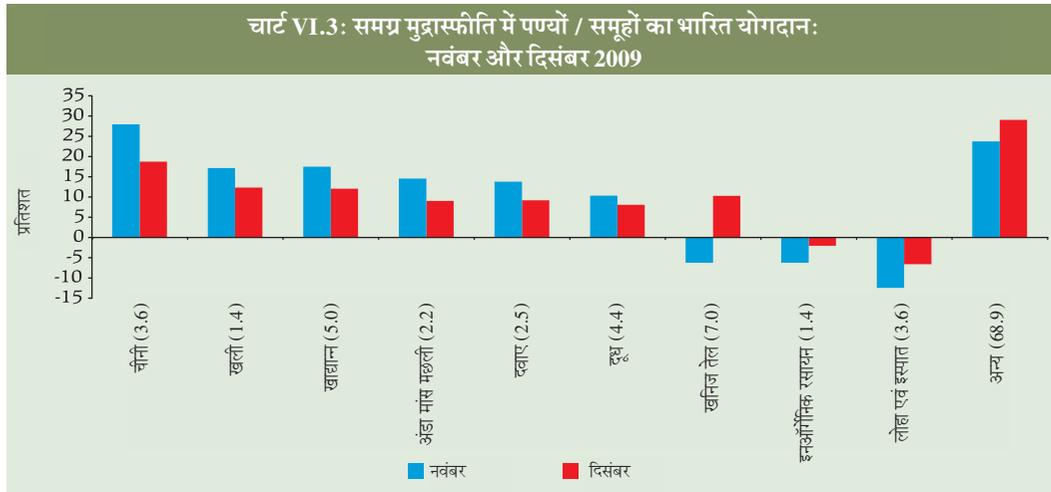
VI.16 भारत में मुद्रास्फीति का चालू दौर कुछ पण्यों के मूल्यों में वृद्धि से प्रेरित है। चीनी, खली, खाद्यान्न, अंडे, मांस और मछली और ड्रग्स तथा औषधि, जिनका समग्र डब्ल्यूपीआइ में संयुक्त भारांक 14.8 प्रतिशत है, का हाल के महीनों में मुद्रास्फीति में महत्वपूर्ण हिस्सा था। किंतु, यह उल्लेखनीय है कि इन मुख्य प्रेरकों का योगदान नवंबर 2009 की तुलना में दिसंबर 2009 में कम

सारणी 6.4 : प्रमुख पण्य मूल्य -  
वैश्विक बनाम देशी

मद	वैश्विक बनाम देशी (प्रतिशत)			
	वार्षिक मुद्रास्फीति (वर्ष-दर-वर्ष, दिसंबर 2009)		हाल ही की प्रवृत्तियां मार्च 2009 की तुलना में दिसंबर 2009	
	वैश्विक	भारत	वैश्विक	भारत
1	2	3	4	5
1. चावल	11.1	12.3	0.5	7.5
2. गेहूँ	-6.3	12.0	-10.7	10.5
3. अपरिष्कृत कपास	38.3	4.9	48.9	16.5
4. तिलहन	25.3	6.7	19.0	8.2
5. लौह अयस्क	-28.2	-8.6	-28.2	-18.8
6. कोयला खनन	4.3	0.0	34.4	0.0
7. खनिज तेल	81.1	6.3	60.5	10.4
8. खाद्य तेल	57.3	-2.2	32.3	0.7
9. खली	33.7	56.9	16.6	16.3
10. चीनी	96.1	54.0	72.0	37.5
11. अलौह धातुएँ #	44.5	-7.3	54.9	0.7
12. लोहा और इस्पात	-27.6	-9.5	-19.7	0.8

# : आइएमएफ के धातु मूल्य सूचकांक के अनुसार, जिसमें ताँबा, अलुमिनियम, लौह अयस्क, टिन, निकेल, जस्ता, सीसा और यूरेनियम शामिल हैं।

टिप्पणी : वैश्विक मूल्यों में वृद्धि विश्व बैंक और आइएमएफ के प्राथमिक पण्य मूल्यों के आकड़ों पर आधारित हैं।

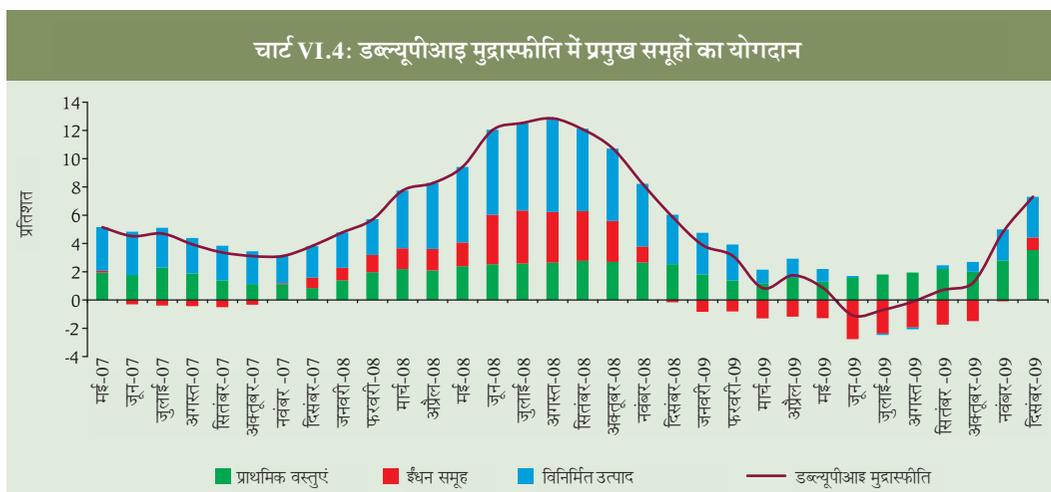


हो गया जो मुद्रास्फीति सामान्य हो जाने के प्रारंभिक चिह्न दर्शाता है (चार्ट VI.3)। किंतु, शून्य या नकारात्मक मुद्रास्फीति वाले पण्यों का डब्ल्यूपीआइ में कुल भारांक 50.7 प्रतिशत था।

VI.17 प्रमुख समूहों द्वारा समग्र मुद्रास्फीति में योगदान के संदर्भ में, विनिर्मित खाद्य उत्पादों के अलावा प्राथमिक वस्तु समूह समग्र मुद्रास्फीति को निरंतर प्रेरित करते रहा। खाद्येतर विनिर्मित उत्पाद समूह का योगदान, जो मुद्रास्फीति में गिरावट के दौर में कम हो गया था, भी हाल के महीनों

में बढ़ना शुरू हो गया। ईंधन समूह का योगदान, जो जनवरी 2009 से काफी कम था, ने हाल के महीनों में विरुद्ध प्रवृत्ति दर्शाई और अब यह समग्र मुद्रास्फीति में सकारात्मक योगदान दे रहा है (चार्ट VI.4)।

VI.18 विभिन्न समूहों और उप-समूहों में मुद्रास्फीति में विचलन की प्रवृत्ति समग्र स्फीतिकारी दबावों का आकलन करती है जो मुद्रास्फीति की कठिन समग्र नाप पर आधारित होता है और निहित स्फीतिकारी दबावों को समझने के लिए मुद्रास्फीति के विविध घटकों की



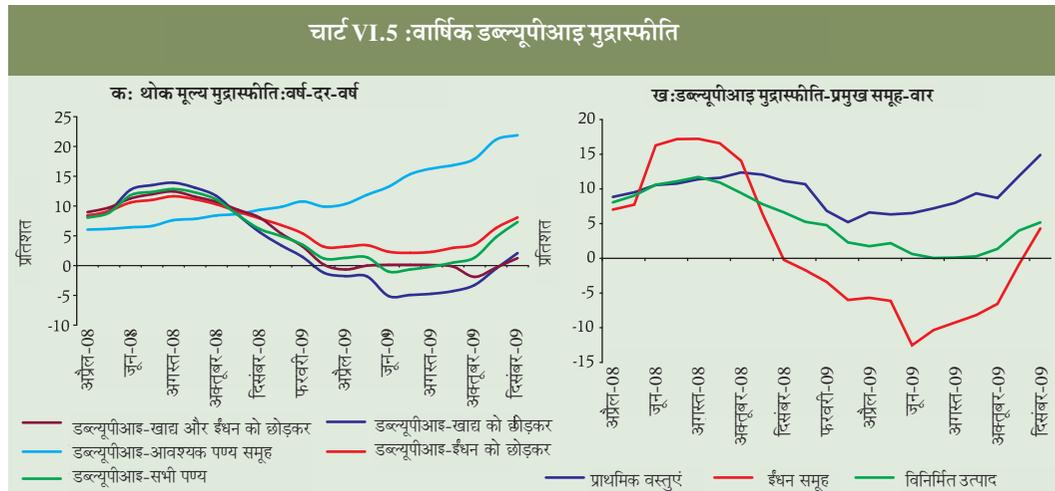
जांच आवश्यक हो जाती है। असमेकित स्तर पर, ईंधन छोड़कर वर्ष-दर-वर्ष डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति दिसंबर 2009 में 8.1 प्रतिशत थी जो कि एक वर्ष पूर्व 7.9 प्रतिशत थी। खाद्य और ईंधन छोड़कर डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति, जो कि 2009-10 में नवंबर 2009 तक नकारात्मक थी, दिसंबर 2009 में सकारात्मक हो गई (1.3 प्रतिशत)। आवश्यक पण्य समूह के मूल्य दिसंबर 2009 में 21.9 प्रतिशत बढ़े, वर्ष-दर-वर्ष, जो खाद्य वस्तुओं, विशेष रूप से चीनी, अंडे, मछली, दूध, चावल, सब्जियां और दालों से प्रेरित थे, जिनमें से सभी ने दो अंकीय मुद्रास्फीति दर्ज की थी जो 54.0 प्रतिशत (चीनी) से 13.4 प्रतिशत (दूध) के दायरे में थी (चार्ट VI.5क)।

VI.19 समग्र डब्ल्यूपीआइ पर साप्ताहिक आंकड़ों का निर्गम वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने 5 नवंबर 2009 से बंद किया है और इसके स्थान पर “ईंधन पावर, लाइट और लुब्रिकेंट” समूह की प्राथमिक वस्तुओं और पण्यों के साप्ताहिक मूल्य सूचकांक जारी किए जाते हैं। इसके अलावा, सभी पण्यों के लिए मासिक डब्ल्यूपीआइ 14 नवंबर 2009 से जारी किया जा रहा है।

VI.20 प्रमुख समूहों के बीच, प्राथमिक वस्तु मुद्रास्फीति, वर्ष-दर-वर्ष, 9 जनवरी 2010 को 13.9 प्रतिशत बढ़ी (मार्च 2009 के अंत में 5.2 प्रतिशत) जिसका मुख्य आधार खाद्य वस्तुएं थीं जिन्होंने उच्च दो अंकीय मुद्रास्फीति दर्ज की थी। खाद्येतर प्राथमिक वस्तुएं, नामतः कच्ची कपास और तिलहन के मूल्य भी वर्ष-दर-वर्ष आधार पर बढ़े। किंतु, खनीजों के मूल्यों में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर कम हो गए (सारणी 6.5)।

VI.21 प्राथमिक वस्तुओं के मूल्य मार्च 2009 के अंत के सूचकांक के स्तर की तुलना में 14.3 प्रतिशत बढ़े (9 जनवरी 2010 को)। चालू वित्तीय वर्ष में अब तक सब्जियों और दलहन के मूल्य प्राथमिक खाद्य मूल्यों में वृद्धि के प्रमुख प्रेरक रहे हैं। किंतु, सब्जियों की मूल्य वृद्धि का एक भाग तीसरी तिमाही में मूल्यों में मौसमी वृद्धि के कारण हो सकता है जो सामान्यतः शीत ऋतु की फसले आने के बाद जनवरी-मार्च की तिमाही में कम हो जाता है। दलहन, मुद्रास्फीति का अन्य मुख्य प्रेरक, 2009-10 में खरीफ दलहन के उत्पादन में काफी कमी के कारण बढ़ गया (2009-10 के प्रथम अग्रिम अनुमान

चार्ट VI.5 : वार्षिक डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति



सारणी 6.5 साप्ताहिक प्राथमिक वस्तुएं और ईंधन समूह मुद्रास्फीति				
(प्रतिशत)				
समूह/पण्य	वार्षिक (वर्ष दर वर्ष)		वित्तीय वर्ष (मार्च अंत को)	
	2008-09 जन. 10	2009-10 जन. 9	2008-09 जन. 10	2009-10 जन. 9
1	2	3	4	5
<b>प्राथमिक वस्तुएं</b>	<b>11.9</b>	<b>13.9</b>	<b>5.5</b>	<b>14.3</b>
A. खाद्य वस्तुएं	11.6	16.8	7.1	17.0
i) चावल	14.7	12.6	11.5	9.3
ii) गेहूँ	5.6	14.5	4.1	14.0
iii) दालें	12.7	47.9	5.4	42.6
iv) सब्जियाँ	21.5	7.9	7.8	22.7
v) फल	19.2	3.7	9.4	7.2
vi) दूध	8.1	13.9	6.1	12.9
vii) अंडे, मछली और मांस	7.1	30.6	2.9	30.3
viii) मसाले	13.3	27.4	14.4	26.2
ix) चाय और काफी	33.0	12.1	26.9	16.7
B. खाद्येतर वस्तुएं	7.4	10.4	2.8	13.4
i) अपरिष्कृत कपास	19.1	7.3	11.5	16.7
ii) तिलहन	7.4	10.2	0.4	12.4
iii) गन्ना	0.0	2.3	0.0	2.3
iv) खनिज	44.9	-5.2	-1.0	-12.4
<b>ईंधन समूह</b>	<b>-1.4</b>	<b>6.3</b>	<b>-3.6</b>	<b>9.2</b>
क) कोयला खनन	0.0	0.0	-1.0	0.0
ख) खनिज तेल	-3.1	9.8	-5.9	13.2
ग) बिजली	1.3	2.0	0.0	4.7

के अनुसार 8.3 प्रतिशत गिरावट)। किंतु, चालू रबी बुवाई समग्र दलहन फसलों में सुधार दर्शाती है (15 जनवरी 2010 को 5.8 प्रतिशत वृद्धि) जो वित्तीय वर्ष के अंत तक कुछ मूल्य दबावों को कम करने में मदद कर सकती है।

VI.22 खाद्येतर वस्तुओं में, चालू वित्तीय वर्ष में कच्ची कपास और तिलहन के मूल्य बढ़े। कच्ची कपास और तिलहन के मूल्य सामान्यतः अंतरराष्ट्रीय मूल्यों के अनुरूप रहे जो दिसंबर 2008 से तिलहन के मामले में 25 प्रतिशत से अधिक और कपास के मामले में लगभग 38 प्रतिशत बढ़े थे जब मूल्य निम्नतम थे। इसके अलावा, खरीफ फसलों संबंधी तिलहन का उत्पादन 2009-10 में 15.1 प्रतिशत कम होने की अपेक्षा है। किंतु, कपास

का उत्पादन 2.2 प्रतिशत बढ़ने की अपेक्षा है (प्रथम अग्रिम अनुमान)।

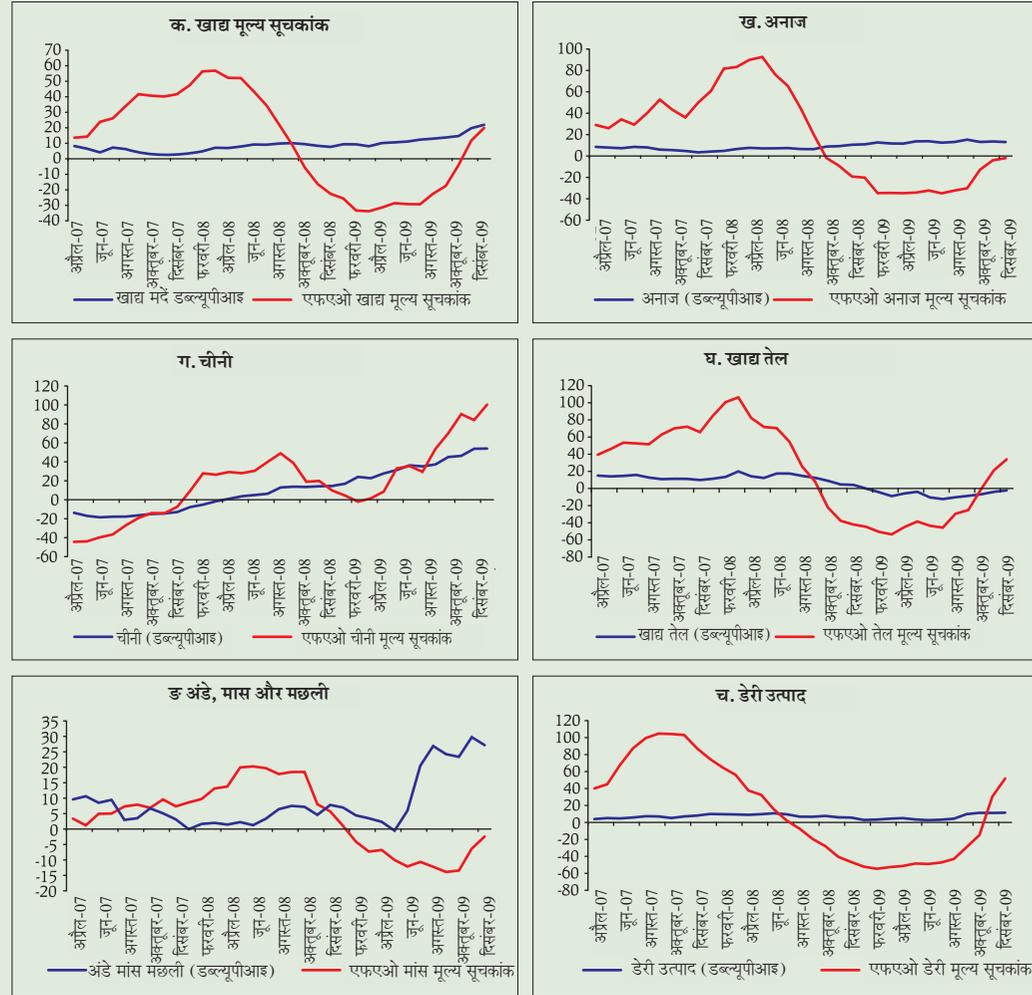
VI.23 खाद्य की देशी आपूर्ति बढ़ाने के प्रयासों के अलावा, उच्च खाद्य मुद्रास्फीति रोकने के विकल्प के रूप में खाद्य-आयात पर भी विचार किया जा रहा है। किंतु, यह उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय खाद्य मूल्यों में हाल में हुई वृद्धि ने मूल्य वृद्धि रोकने के महत्वपूर्ण विकल्प के रूप में आयात की गुंजाइश कम कर दी है। सभी मुख्य खाद्य उत्पादों ने हाल के महीनों में मुद्रास्फीति में निरपेक्ष वृद्धि दर्ज की (चार्ट VI.6)। किंतु, आवश्यक खाद्य मदों के अंतरराष्ट्रीय मूल्यों में अस्थिरता भारत की तुलना में बहुत अधिक रही है।

VI.24 वर्ष-दर-वर्ष, ईंधन समूह की मुद्रास्फीति, जो अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल मूल्यों में कमी के कारण दिसंबर 2008 से काफी नकारात्मक बनी हुई थी, दिसंबर 2009 में सकारात्मक हो गई जो दिसंबर 2008 में नियंत्रित मूल्यों के अधोमुखी संशोधन का आधार प्रभाव दर्शाती है। अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल मूल्यों में वृद्धि से कंपनियों की कम हुई वसूली को आंशिक रूप से समायोजित करने के लिए सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजेल के नियंत्रित मूल्य बढ़ाने की घोषणा से ईंधन मूल्य की मुद्रास्फीति में बदलाव आया। चालू वित्तीय वर्ष में अब तक (9 जनवरी 2010 तक), ईंधन मूल्यों में लगभग 9.2 प्रतिशत वृद्धि हुई। मुक्त रूप से मूल्यवत् विभिन्न पेट्रोलियम उत्पादों के मूल्य अंतरराष्ट्रीय मूल्यों के अनुरूप अपने मार्च 2009 के अंत के स्तर से बढ़ गए। जहां फर्नेस तेल के मूल्यों में वृद्धि 60.2 प्रतिशत पर सर्वाधिक थी, वहीं डामर संबंधी वृद्धि 15.4 प्रतिशत पर सबसे कम थी। अन्य उत्पादों में मूल्य वृद्धि हवाई टर्बाइन ईंधन के लिए 46.8 प्रतिशत, हल्के डीजेल तेल के लिए 27.6 प्रतिशत और नाफ्था ले संदर्भ में 52.5 प्रतिशत थी।

मौद्रिक नीति वक्तव्य  
2009-10

समष्टि आर्थिक और  
मौद्रिक गतिविधियां  
तीसरी तिमाही की समीक्षा  
2009-10

चार्ट VI.6: खाद्य मुद्रास्फीति में प्रवृत्तियां : वैश्विक बनाम देशी  
(वर्ष-दर-वर्ष, प्रतिशत)



स्रोत: एफएओ खाद्य मूल्य आंकड़ा आधार और आर्थिक सलाहकार वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार का कार्यालय।

VI.25 विनिर्मित उत्पाद मुद्रास्फीति, वर्ष-दर-वर्ष, भी अगस्त 2009 से बढ़ गई और दिसंबर 2009 में 5.2 प्रतिशत हो गई। किंतु, विनिर्मित उत्पादों के तहत उप-समूहों ने काफी विचलन दिखाया। विनिर्मित उत्पाद मुद्रास्फीति में घट-बढ़ मुख्यतः विनिर्मित खाद्य उत्पादों से प्रेरित थी जिसमें चीनी आगे थी। 2009-10 में गन्ना उत्पादन में 8.9 प्रतिशत (प्रथम अग्रिम अनुमान)

की गिरावट अपेक्षित है जबकि एक वर्ष पहले की उच्चतम गिरावट 21.4 प्रतिशत थी। भारत के निवल चीनी आयातक बन जाने की संभावना के चलते अंतरराष्ट्रीय चीनी मूल्य भी काफी बढ़ गए जिससे देशी मूल्यों पर और दबाव बढ़ गया। विनिर्मित खाद्य मुद्रास्फीति में अन्य मुख्य योगदानकर्ता खली (जो अंतरराष्ट्रीय मूल्यों के अनुरूप रहा) और दुग्ध

सारणी 6.6 : भारत में थोक मूल्य मुद्रास्फीति  
(वर्ष-दर-वर्ष)

(प्रतिशत)									
पण्य वित्तीय वर्ष		भार (दिसंबर)		2008-09 (अंत मार्च)		2008-09 (दिसंबर)		2009-10 (मार्च 09 अंत को)	
		मुद्रास्फीति	मु.अं.*	मुद्रास्फीति	मु.अं.*	मुद्रास्फीति	मु.अं.*	मुद्रास्फीति	मु.अं.*
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
<b>सभी पण्य</b>	<b>100.0</b>	<b>6.1</b>	<b>6.1</b>	<b>0.8</b>	<b>0.8</b>	<b>7.3</b>	<b>7.3</b>	<b>8.0</b>	<b>8.0</b>
<b>1. प्राथमिक वस्तुएँ</b>	<b>22.0</b>	<b>11.1</b>	<b>2.5</b>	<b>5.2</b>	<b>1.2</b>	<b>14.9</b>	<b>3.5</b>	<b>14.5</b>	<b>3.5</b>
खाद्य वस्तुएँ	15.4	10.0	1.6	7.0	1.1	19.2	3.1	18.3	3.0
i. चावल	2.4	15.1	0.3	14.9	0.3	12.3	0.3	7.5	0.2
ii. गेहूँ	1.4	4.8	0.1	4.5	0.1	12.0	0.2	10.5	0.2
iii. दालें	0.6	12.6	0.1	9.4	0.1	41.6	0.3	38.2	0.3
iv. सब्जियाँ	1.5	7.6	0.1	-5.2	-0.1	39.2	0.5	54.9	0.7
v. फल	1.5	15.9	0.3	5.9	0.1	9.8	0.2	8.0	0.4
vi. दूध	4.4	7.4	0.3	7.0	0.3	13.4	0.6	11.6	0.5
vii. अंडे, मछली और मांस	2.2	7.8	0.2	3.2	0.1	27.2	0.7	28.8	0.7
खाद्येतर वस्तुएँ	6.1	9.3	0.6	0.1	0.0	7.7	0.5	10.6	0.6
i. अपरिष्कृत कपास	1.4	21.9	0.2	2.5	0.0	4.9	0.1	16.5	0.2
ii. तिलहन	2.7	11.4	0.3	-1.6	0.0	6.7	0.2	8.2	0.2
iii. गन्ना	1.3	-0.2	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
खनिज	0.5	41.9	0.4	7.2	0.1	-4.4	-0.1	-12.9	-0.2
<b>2. ईंधन, ऊर्जा, बिजली और लुब्रिकेंट्स</b>	<b>14.2</b>	<b>-0.2</b>	<b>0.0</b>	<b>-6.1</b>	<b>-1.3</b>	<b>4.3</b>	<b>0.9</b>	<b>7.5</b>	<b>1.5</b>
i. कोयला खनन	1.8	3.3	0.1	-1.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
ii. खनिज तेल	7.0	-1.6	-0.2	-8.7	-1.1	6.3	0.8	10.4	1.2
iii. बिजली	5.5	1.4	0.1	-2.6	-0.2	2.0	0.1	4.7	0.3
<b>3. विनिर्मित उत्पाद</b>	<b>63.8</b>	<b>6.6</b>	<b>3.7</b>	<b>1.7</b>	<b>1.0</b>	<b>5.2</b>	<b>2.9</b>	<b>5.4</b>	<b>3.0</b>
i. खाद्य उत्पाद	11.5	4.2	0.4	8.8	0.9	26.4	2.7	15.3	1.7
जिनमें से : चीनी	3.6	14.5	0.3	18.4	0.4	54.0	1.4	37.5	1.1
खाद्य तेल	2.8	4.2	0.1	-7.6	-0.2	-2.2	0.0	0.7	0.0
ii. सूती वस्त्र	4.2	16.0	0.5	16.2	0.4	6.0	0.2	7.8	0.2
iii. मानव निर्मित रेशे	4.4	2.4	0.0	-1.5	0.0	-2.0	0.0	0.5	0.0
iv. रसायन और रासायनिक उत्पाद	11.9	6.1	0.7	2.0	0.2	4.6	0.5	6.6	0.7
जिनमें से : उर्वरक	3.7	8.5	0.3	4.8	0.1	-3.5	-0.1	-3.5	-0.1
v. गैर धातु खनिज उत्पाद	2.5	2.9	0.1	1.9	0.0	1.8	0.0	0.8	0.0
जिनमें से : सीमेंट	1.7	1.3	0.0	2.2	0.0	-1.4	0.0	-2.7	0.0
vi. मूल धातुएँ, मिश्र धातु और धातु उत्पाद	8.3	12.6	1.2	-12.2	-1.3	-7.3	-0.7	0.7	0.1
जिनमें से : लोहा और इस्पात	3.6	15.1	0.7	-18.4	-1.0	-9.5	-0.5	0.8	0.0
vii. परिवहन उपकरण और पुर्जे	8.4	3.9	0.3	2.6	0.2	-0.2	0.0	0.6	0.0
जिनमें से : इलेक्ट्रिकल मशीनरी	5.0	2.9	0.1	1.1	0.0	-0.6	0.0	0.6	0.0
viii. परिवहन उपकरण और पुर्जे	4.3	3.0	0.1	3.1	0.1	0.2	0.0	0.2	0.0
<b>ज्ञापन:</b>									
खाद्य मदे (एकीकृत)	26.9	7.7	2.0	7.7	2.0	21.9	5.8	17.1	4.7
डब्लूपीइ खाद्य वस्तुओं को छोड़ कर	73.1	5.6	4.2	-1.6	-1.2	2.1	1.5	4.6	3.3
डब्लूपीआइ ईंधन को छोड़ कर	85.8	7.9	6.2	2.7	2.1	8.1	6.4	8.1	6.5
अत्यावश्यक पण्य	17.6	9.4	1.6	9.0	1.5	21.9	3.8	18.2	3.3

मु.अं. : मुद्रास्फीति में अंशदान

उत्पाद थे (जिनके मूल्य हाल के दुर्बल मानसून और उसके पशु चारे पर प्रभाव और खली के मूल्यों में वृद्धि से घटी हुई आपूर्ति से प्रभावित थे)।

VI.26 विनिर्मित उत्पाद के “मूल धातु, मिश्र धातु और उत्पाद” उप-समूह ने दिसंबर 2009 में वर्ष-दर-वर्ष नकारात्मक मुद्रास्फीति दर्ज की जिसका मुख्य कारण लोहे

और इस्पात के मूल्यों में कमी आना था। किंतु, लोहे और इस्पात के उप-समूह के भीतर इस्पात के पत्रों के मूल्यों में उनके मार्च 2009 के स्तर से कुछ वृद्धि हुई थी। लोहे के बार और रॉड के मूल्य भी सितंबर 2009 से बढ़ गए जो निर्माण कार्यों में पुनरुज्जीवन दर्शाते हैं।

उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति

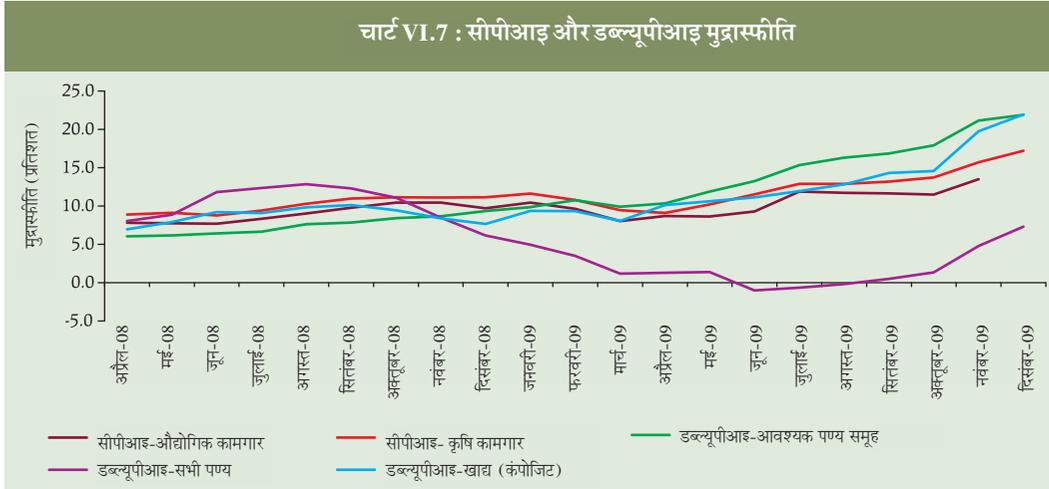
VI.27 उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआइ) में वर्ष-दर-वर्ष अंतर पर आधारित मुद्रास्फीति 2009-10 में अब तक निरंतर बढ़ी है जिसका मुख्य कारण खाद्य, ईंधन और सेवा ('विविध' समूह द्वारा दर्शित) के मूल्यों में वृद्धि था।

सारणी 6.7 : उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति - प्रमुख समूह												
(प्रतिशत में वर्ष-दर-वर्ष घट-बढ़)												
सीपीआइ माप	भार	मार्च 07	मार्च 08	जून 08	सितं. 08	दिसं. 08	मार्च 09	जून 09	सितं. 09	अक्तू. 09	नवं. 09	दिसं. 09
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
सीपीआइ- आइडब्लू (आधार : 2001 = 100)												
सामान्य	100.0	6.7	7.9	7.7	9.8	9.7	8.0	9.3	11.6	11.5	13.5	-
खाद्य समूह	46.2	12.2	9.3	10.5	13.1	13.1	10.6	12.2	13.5	13.8	17.6	-
पान, सुपारी, आदि	2.3	4.4	10.9	7.1	7.8	8.5	8.3	8.1	8.0	7.1	7.9	-
ईंधन और बिजली	6.4	3.2	4.6	8.4	9.1	9.7	7.4	1.4	4.2	2.8	4.1	-
आवास	15.3	4.1	4.7	4.7	3.8	3.8	6.0	6.0	22.1	22.1	22.1	-
वस्त्र, बिस्तर, आदि	6.6	3.7	2.6	2.5	2.5	4.2	5.0	4.1	4.1	4.1	4.1	-
विविध	23.3	3.3	6.3	6.2	7.6	8.3	7.4	6.6	5.7	4.2	4.2	-
सीपीआइ-यूएनएमई (आधार : 1984-85 = 100)												
सामान्य	100.0	7.6	6.0	7.3	9.5	9.8	9.3	9.6	12.4	12.0	13.9	-
खाद्य समूह	47.1	10.9	7.8	9.6	13.2	13.4	12.2	13.6	14.4	14.0	18.1	-
ईंधन और बिजली	5.5	6.4	4.6	5.3	6.2	7.7	5.9	1.3	4.2	2.7	4.0	-
आवास	16.4	5.6	4.0	3.8	3.5	3.5	5.8	6.0	22.0	22.0	22.0	-
वस्त्र, बिस्तर, आदि	7.0	3.6	4.3	3.4	3.1	2.7	3.3	4.2	4.1	4.1	4.1	-
विविध	24.0	4.4	4.8	6.6	8.4	9.3	8.6	7.3	6.0	4.7	4.2	-
सीपीआइ-एएल (आधार: 1986-87=100)												
सामान्य	100.0	9.5	7.9	8.8	11.0	11.1	9.5	11.5	13.2	13.7	15.7	17.2
खाद्य समूह	69.2	11.8	8.5	9.6	12.0	11.9	9.7	12.4	14.6	15.3	18.1	20.2
पान, सुपारी, आदि	3.8	5.7	10.4	11.2	12.8	13.7	15.3	14.2	15.5	16.1	15.3	14.6
ईंधन और बिजली	8.4	6.9	8.0	8.9	10.2	11.3	11.5	11.0	12.0	12.3	12.9	14.3
वस्त्र, बिस्तर, आदि	7.0	3.5	1.8	3.1	6.0	7.0	7.4	8.3	8.1	7.5	7.5	8.2
विविध	11.7	6.8	6.1	6.5	7.1	7.0	6.5	6.1	7.1	6.6	6.8	7.0
सीपीआइ-आरएल (आधार 1986-87=100)												
सामान्य	100.0	9.2	7.6	8.7	11.0	11.1	9.7	11.3	13.0	13.5	15.7	17.0
खाद्य समूह	66.8	11.5	8.2	9.6	12.0	11.9	10.0	12.4	14.6	15.3	18.1	20.4
पान, सुपारी, आदि	3.7	5.7	10.6	10.9	12.5	13.4	15.0	14.1	15.4	15.8	15.0	14.4
ईंधन और बिजली	7.9	6.9	8.0	8.9	10.5	11.3	11.5	11.0	12.0	12.3	12.7	14.1
वस्त्र, बिस्तर, आदि	9.8	3.1	2.8	4.1	6.5	7.3	8.2	8.8	9.5	9.4	9.8	10.3
विविध	11.9	6.3	6.2	6.8	7.4	7.5	6.7	6.2	6.9	6.4	6.2	6.6
ज्ञापन												
डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति		6.6	7.5	11.8	12.3	6.1	1.2	-1.0	0.5	1.5	4.8	7.3
जीडीपी अपस्फीतिकारी												
आधारित मुद्रास्फीति*		5.5	4.9	8.1	10.6	8.0	7.8	0.9	0.9	-	-	-

\*: मार्च के आँकड़े पूरे वर्ष के हैं।

आइडब्लू : औद्योगिक कामगार यूएनएमई : शहरी गैर-श्रमिक कर्मचारी एएल : कृषि मजदूर आरएल : ग्रामीण श्रमिक

चार्ट VI.7 : सीपीआइ और डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति



उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति की विभिन्न नापें नवंबर-दिसंबर 2009 में 13.5-17.2 प्रतिशत के ऊंचे दायरे में बनी रहीं जो कि नवंबर 2008 में 10.4-11.1 प्रतिशत और मार्च 2009 में 8.0-9.7 प्रतिशत के दायरे में थीं (सारणी 6.7)।

VI.28 सीपीआइ मुद्रास्फीति डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति से हाल की अवधि में काफी अलग रही है और डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति में अधिक वृद्धि के बावजूद अंतर बना हुआ है (चार्ट VI.7)।

VI.29 डब्ल्यूपीआइ और सीपीआइ मुद्रास्फीति के बीच काफी अंतर होने के बावजूद, विभिन्न विश्लेषण आवश्यक पण्यों में डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति और सीपीआइ मुद्रास्फीति में एक जैसी प्रवृत्ति की ओर संकेत करते हैं। इस अंतर का कारण सीपीआइ में खाद्य का उच्च भारांक हो सकता है जिसने हाल के महीनों में उच्च मुद्रास्फीति दर्शाई है।

VI.30 कुल मिलाकर, भारत में डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति ने हाल के महीनों में काफी मजबूती दिखाई है, हालांकि

दबाव प्राथमिक वस्तुओं और विनिर्मित खाद्य उत्पादों से आ रहा था। हाल के महीनों में मुद्रास्फीति के प्रमुख प्रेरकों के रूप में खाद्य मूल्यों का प्रभुत्व मूल्य दबावों को प्रभावी रूप से रोकने में मांग प्रबंधन की सीमित भूमिका दर्शाता है। उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति निरंतर बढ़ी हुई है और सीपीआइ और डब्ल्यूपीआइ मुद्रास्फीति के बीच अभी भी अंतर बना हुआ है। 2008 की पहली छमाही के मुद्रास्फीति-एपिसोड के विपरीत, जब बाह्य आपूर्ति आघात निरंतर मुद्रास्फीति पथ पर थे, चालू एपिसोड की विशेषता आपूर्ति पक्षीय दबावों का प्रभुत्व है जो मुख्यतः दक्षिणी-पश्चिमी मानसून में कमी और खाद्यान्न उत्पादन पर उसके प्रभाव से उभरा था। खाद्य मूल्य की मुद्रास्फीति की दीर्घावधि तक निरंतरता से जनसाधारण की क्रय शक्ति घट सकती है जिससे वे अपनी व्यय योग्य आय का बड़ा हिस्सा खाद्य उपभोग पर व्यय करने के लिए बाध्य हो सकते हैं। इतना ही नहीं, उच्च खाद्य मुद्रास्फीति और बढ़ी हुई सीपीआइ मुद्रास्फीति से संभाव्य रूप से मजदूरी-मूल्य चक्र निर्माण कर सकती है और स्फीतिकारी आशंकाएं बढ़ा सकती है।